मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शिष्टाचार मुलाकात की। विधानसभा का सत्र समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से भेंट कर प्रदेश के कई मुद्दों पर उनके साथ चर्चा की। इसके बाद उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, मुख्य सूचना आयुक्त एम.एल. लाठर, सूचना आयुक्त सुरेश चंद्र गुप्ता, महेंद्र कुमार पारख और टीकाराम शर्मा ने भी राज्यपाल से मुलाकात की।

रूस पर यूक्रेन का भीषण हमला, 30 किलोमीटर अंदर तक घुसे

यूक्रेन की सेना ने रूस के 27 लड़ाकू ड्रोन्स मार गिराया है

- रूस ने यूक्रेनी सैनिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ को देखते हुए कुर्स्क क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा की है।
- रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यूक्रेन के दुस्साहसिक हमलों का जवाब देने के लिए कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त बलों को भेजा जा रहा है।

नई दिल्ली, 9 अगस्त। रूस-यूक्रेन जंग भीषण मोड़ पर पहुंच गया है। यूक्रेन के करीब 1000 सैनिक धावा बोलते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार कर रूस के कुर्स्क क्षेत्र में घुस गए हैं। इसके अलावा यूक्रेनी सेना ने रूस की ओर से छोड़े गये सभी 27 लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराया है। यूक्रेनी वायु सेना ने शुक्रवार को ये जानकारी दी है। इस बीच रूस ने यूक्रेनी सैनिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ को देखते हुए कुर्स्क क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा की है।

चार दिन पहले सैकड़ों यूक्रेनी सैनिकों ने सीमा पार से हमला किया था, जो यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद से रूसी धरती पर कीव का सबसे बड़ा हमला है।

इस बीच, रूसी अधिकारियों ने कहा कि रूसी विमान द्वारा दागी गई एक मिसाइल दिन में एक यूक्रेनी शॉपिंग मॉल पर गिरी है, जिसमें कम से कम 11 लोग मारे गए हैं और 44 अन्य घायल हुए हैं। यह मिसाइल यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र में कोस्टियनटिनिव्का के रिहायशी इलाके में स्थित एक मॉल पर गिरी थी। पिछले साल सितंबर में भी एक रूसी मिसाइल ने वहां एक बाहरी बाजार को निशाना बनाया था, जिसमें 17 लोग मारे गए थे।

उधर, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यूक्रेन के दुस्साहसिक हमलों का जवाब देने के लिए कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त बलों को भेजा जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के हवाले से समाचार एजेंसी आरआईए-नोवोस्ती ने कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में रूस कई रॉकेट लांचर, टो किए गए आर्टिलरी गन, ट्रेलरों पर ले जाए जाने वाले टैंक और भारी ट्रैक वाले वाहन तैनात कर रहा है।

कुर्स्क के कार्यवाहक गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने टेलीग्राम पर कहा, "कुर्स्क क्षेत्र में हालात कठिन बने हुए हैं।" रूसी रक्षा मंत्रालय ने सीमा से लगभग 10 किलोमीटर (6 मील) दूर सुदज़ा के पश्चिमी बाहरी इलाके में भीषण लड़ाई की पुष्टि की है। इस शहर में प्राकृतिक गैस की एक महत्वपूर्ण पाइपलाइन केंद्र है।

दूसरी तरफ, यूक्रेनी अधिकारियों ने इस घुसपैठ के बारे में टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है, जो मॉस्को से लगभग 500 किलोमीटर (320 मील) दक्षिण-पश्चिम में हुई है लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की के एक शीर्ष सलाहकार ने कहा है कि सीमा क्षेत्र पर हमले से रूस को यह एहसास होने लगा है कि युद्ध अब धीरे-धीरे रूसी क्षेत्र में घुसता जा रहा है। मायहेलो पोडोल्याक ने यह भी सुझाव दिया कि मॉस्को के साथ बातचीत की स्थिति में यह ऑपरेशन कीव की स्थिति को मजबूत बना रहा है।

बता दें कि रूस संघीय स्तर पर आपातकाल की घोषणा तब करता है जब 500 से अधिक लोग मारे जाते हैं या 500 मिलियन रूबल (लगभग 6 मिलियन) से अधिक का नुकसान होता है। कुर्स्क में छिड़ी लड़ाई ने रूसी मीडिया के साथ-साथ दुनियाभर की मीडिया का ध्यान खींचा है। रूस मीडिया में भी कुर्स्क की लड़ाई की खबरें छाई हुई हैं।

अब बैंक खाते में दर्ज करा सकेंगे चार नॉमिनी

नई दिल्ली, 9 अगस्त। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार (09 अगस्त) को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया है। इस विधेयक में ऐसा प्रावधान किया गया है कि हरेक बैंक खाताधारक एक खाते के लिए चार 'नॉमिनी' तक दर्ज करा सकेगा। अभी तक एक बैंक खाते में एक ही नॉमिनी का उल्लेख करने का नियम है।

- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार (09 अगस्त) को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024, पेश किया है, जिसके तहत चार नॉमिनी रखने की सुविधा दी गई है।

अगर यह बिल संसद से पारित होता है तो अब नॉमिनी को बढ़ाकर चार तक किया जा सकता है। हालांकि, यह वैकल्पिक प्रावधान होगा। प्रस्तावित विधेयक में एक और बड़े बदलाव की बात कही गई है।

'शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंप दे भारत'

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया ने भारत को चेतावनी दी कि शेख हसीना की वजह से भारत और बांग्लादेश के आपसी रिश्ते खराब हो जायेंगे

ढाका, 9 अगस्त। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंध केवल अवामी लीग पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने भारत को चेताते हुए कहा कि हसीना को शरण देने से बांग्लादेश के लोग नाराज हैं। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण दिए जाने पर बांग्लादेश में 'प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं आना स्वाभाविक' है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री खांडकर मुशर्रफ हुसैन ने बांग्लादेश के लिए भारत को 'बहुत महत्वपूर्ण' करार देते हुए कहा कि 'यह द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय शुरू करने का सही समय है'।

हुसैन ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बधाई संदेश का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि भारत सरकार अब अवामी लीग और शेख हसीना को समर्थन देना जारी नहीं रखेगी, जिन्हें बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों के बाद देश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है। बीएनपी के उपाध्यक्ष अब्दुल अवल मिंटू ने भी ऐसी ही राय जताते हुए कहा कि बेहतर होता कि हसीना भारत नहीं भागतीं। उन्होंने कहा, "बेहतर होता कि वह भारत नहीं भागतीं, क्योंकि हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। बांग्लादेश और इसके लोग भारत को दोस्त की तरह मानते और देखते हैं।"

उन्होंने हालांकि रेखांकित किया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक भारत का अधिकार है कि वह जिसे चाहे उसे शरण दे सकता है। हुसैन ने कहा, "शेख हसीना के भारत में शरण लेने का असर बिल्कुल स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, यदि मैं आपको पसंद नहीं करता हूं और कोई अन्य व्यक्ति आपका समर्थन कर रहा है तो स्वाभाविक रूप से मुझे वह व्यक्ति पसंद नहीं आएगा। प्रतिकूल प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। लेकिन तथ्य यह है कि भारत-बांग्लादेश के बीच हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं, भले ही अवामी लीग सत्ता में हो या शेख हसीना।"

उन्होंने कहा, "जब बीएनपी सत्ता में थी, मैं बांग्लादेश सरकार में मंत्री था। हमने देखा कि दोनों देशों के बीच शानदार संबंध रहे। भारत, बांग्लादेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ने हमेशा बांग्लादेश के लोगों का समर्थन किया है। दोनों देशों के बीच अच्छे द्विपक्षीय संबंध बने रहेंगे।" सतहत्तर वर्षीय नेता ने कहा कि बांग्लादेश के लोग उम्मीद करते हैं कि भारत सरकार अवामी लीग जैसे भ्रष्ट और तानाशाहीपूर्ण शासन का हमेशा समर्थन नहीं करेगी।

शादी का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 7 फरवरी, 2023 को सुभाष चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि अभियुक्त 26 अक्टूबर, 2022 को उसे बहला-फुसलाकर अपने गांव ले गया। जहां उसने उसके साथ 21 दिनों तक कई बार संबंध बनाए। इस दौरान उसकी बेंगलुरु स्थित कंपनी में नौकरी लग गई, तब अभियुक्त उसे अपने परिजनों के पास गांव छोड़कर अकेला बेंगलुरु चला गया।

जब पीड़िता ने उससे शादी करने का दबाव डाला तो अभियुक्त ने इन्कार कर दिया। दूसरी ओर अभियुक्त के परिजन भी उसे प्रताड़ित करते थे।

इसलिए पीड़िता वापस आ गई। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को 09 मार्च, 2023 को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

शेख हसीना, वापस बांग्लादेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस बार यदि शेख हसीना बांग्लादेश लौटती हैं तो उन्हें बांग्लादेश की सेना के आतंकी संगठनों से मिले समूहों से स्वयं की रक्षा के लिए बाहर के देशों, संभवत: भारत से सुरक्षा ब्यौरा लेना होगा।

हालांकि, शेख हसीना की भारत में मौजूदगी के चलते बांग्लादेश की नई सरकार भारत के साथ तुरन्त कोई बातचीत करने से परहेज करेगी। इसके अलावा सेना भी शेख हसीना को पसन्द करती नहीं लगती है। हसीना की भारत में मौजूदगी के दौरान मोहम्मद युनुस की वर्तमान सरकार भारत से बातचीत शुरू नहीं करेगी। भारत की स्थिति दुविधापूर्ण है। भारत हसीना को तुरन्त प्रभाव से नहीं त्याग सकता क्योंकि वह अपने पूरे कार्यकाल के दौरान भारत की मिल रही हैं। खासतौर पर, प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके संबंध अच्छे रहे, अत: मुश्किल की इस घड़ी में उनका साथ छोड़ना बेहद असावधानीपूर्ण होगा। ऐसा होने पर भारत को एक भरोसे का मित्र नहीं माना जाएगा और चुनौतियों के आगे कूटनीतिक रूप से कमजोर भी माना जाएगा। आखिरकार, यह विश्वास करने के स्पष्ट कारण है कि वह तख्तापलट बांग्लादेश के भीतर मौजूद चरमपंथी संगठनों ने पाकिस्तान के सम्पर्कों की मदद से किया है। इन चरमपंथियों ने हिंसा फैलाई और पुलिसकर्मियों तथा आमजन पर तालिबान जैसे हमले बोले। इन्होंने अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय और उसकी सम्पत्तियों पर लगातार निशाना साधा। ऐसा लगता है कि अपदस्थ नेता और उनकी पार्टी एक आगे बढ़ते देश का बैस्ट इंश्योरेंस थी, क्योंकि वह अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकार व स्वतंत्रता को को सुनिश्चित करना चाहती थीं। अवामी लीग बांग्लादेश की एक सुस्थापित राजनीतिक पार्टी है तथा उसका आधारभूत संगठन हसीना के तख्तापलट के बाद तुरन्त प्रभाव से कमज़ोर नहीं पड़ा है। अब यह समय पर है कि ये स्लीपर सैल्स समर्थन का थोड़ा सा संकेत मिलते ही पुन: वही हरकत करने लगेंगे? लगता है कि इसकी प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है।

'बेल मिलना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले से ही जांच एजेंसियों के पास है।

कोर्ट ने यद्यपि सिसोदिया पर कुछ शर्तें लगाई है जैसे पासपोर्ट सरैंडर करना और हर सोमवार को जांच अधिकारी के पास हाजिरी लगाना। कोर्ट ने सिसोदिया को चेतावनी दी अगर उन्होंने सबूतों से छेड़छाड़ की तो उन्हें फिर से जेल भेजा जा सकता है।

क्या इंदिरा जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंदिरा गांधी ने 'मुक्ति वाहिनी' के लड़ाकों को भारत में ट्रेनिंग तथा उन्हें हथियार देकर, बाँग्लादेश के स्वतन्त्रता सेनानियों को बहुत बड़ी ताकत और ऊर्जा दी।

उन्होंने शेख मुजीबुर्रहमान की अन्तरिम सरकार को अपना कार्यालय कोलकाता में स्थापित करने की अनुमति दी तथा एक राष्ट्र के रूप में बाँग्लादेश के उदय पर वैश्विक नेताओं का समर्थन एकत्रित करने की भी व्यवस्था की।

लेकिन, इस पूरे प्रकरण में इंदिरा गांधी की भूमिका एक बार फिर जबरदस्त बहस का मुद्दा बन गई है। 'एक्स' यूज़र मोहित शर्मा ने कहा, "इंदिरा गांधी ने बहुत बड़ी गलती की थी, क्योंकि उन्होंने सैनिक, युद्ध के साज-सामान, अर्थव्यवस्था सबका नुकसान किया, लेकिन उन्होंने बदले में उन्हें कुछ भी नहीं मिला। उन्होंने लाखों अवैध शरणार्थियों को आने दिया, लेकिन उस विजय में भारत के हिस्से को लेकर कोई मोल-तोल नहीं किया।"

विपक्ष ने राज्यसभा के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धनखड़ के काम करने का सामान्य तौर तरीका है, उन्होंने जया बच्चन को बोलने की अनुमति नहीं दी।

विपक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में वाक आउट कर गया तथा चार बार सांसद रह चुकी जया बच्चन के पक्ष में एक जुट हो गया। ज्ञातव्य है कि वे एक वरिष्ठ अभिनेत्री भी हैं।

इसके साथ ही कांग्रेस ने राजस्थान के वरिष्ठ भाजपा सांसद घनश्याम तिवाड़ी के व्यवहार को लेकर भी आपत्ति उठाई क्योंकि तिवाड़ी ने खड़गे पर कटाक्ष किया था। लेकिन तिवाड़ी ने व्यक्तिगत स्तर पर खड़गे से कहा कि वे (तिवाड़ी) माफी माँगने को तैयार हैं। लेकिन जब कांग्रेस ने कहा कि यह मुद्दे का स्पष्टीकरण तो सदन के पटल पर ही लिया जायेगा, तो सभापति ने एक बार फिर, इसमें भी आपत्ति दर्शाई।

जगदीप धनखड़ अपने आसन से आर.एस.एस. का गुणगान करते आ रहे हैं तथा वे अपने भाषण में भी कहते रहते हैं कि राष्ट्रनिर्माण में आर.एस.एस. की महती भूमिका रही है तथा मूलभूत बात यह है कि वे विपक्षी सांसदों को बोलने की अनुमति नहीं दे रहे।

अब उग्रता एवं क्रोध अपने चरम पर पहुँच चुके हैं तथा विपक्ष अब धनखड़ को बर्दाश्त करने की मन: स्थिति में नहीं है।

दुख की बात यह है कि मोदी सरकार इस पूरे खेल का मजा ले रही है तथा वह सभापति को यह कहने के मूड में ही दिखाई नहीं दे रही कि उन्हें कहाँ रूक जाना चाहिए।

वरिष्ठ मंत्री नड्डा ने विपक्ष के खिलाफ एक निन्दा प्रस्ताव पेश किया है, जो इस तथ्य का सूचक है कि प्रधानमंत्री तथा उनके वरिष्ठ मंत्रीगणों का सभापति को रोकने का कोई इरादा नहीं है, जो कि देश के उपराष्ट्रपति भी हैं।

कांग्रेस ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य सभा के सभापति की कार्यवाहियाँ लोकतंत्र की हत्या के समकक्ष हैं तथा वह उन्हें बर्दाश्त नहीं करेगी।

'क्या आप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुमति दे दी जाएगी, उम्मीद है कि आदेश का दुरुपयोग नहीं होगा।"

कोर्ट ने पूछा कि क्या आप लड़कियों के तिलक या बिंदी लगाने पर भी रोक लगाएंगे। कोर्ट ने कहा कि महिलाओं का क्या पहनना है क्या नहीं, यह हिदायत देकर आप उनका सशक्तिकरण करेंगे। महिलाओं को पसंद कहा है। अचानक आपको पता लगा है कि वे क्या पहन रही हैं। इन लड़कियों ने बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का रूख किया था।

अमन सहरावत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज यहां हुये मुकाबले में अमन ने पहले दौर में शानदार दांवपेच लगाते हुए करीबी मुकाबले के बाद 6-4 की बढ़त बनाई। इसके बाद दूसरे दौर में भारतीय पहलवान ने क्रूज को सात अंकों से हराकर मैट पर अपना दबदबा बनाए रखा।

इससे पहले अमन को सेमीफाइनल मुकाबले में जापान के पहलवान से हार का सामना करना पड़ा था। अमन ने विश्व चैंपियन अल्बानिया के जेलिमखान अबकारोव को तकनीकी श्रेष्ठता 12-0 के आधार पर हराकर पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर अमन की यह लगातार दूसरी जीत थी। उत्तरी मैसेडोनिया के यूरोपीय चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता व्लादिमीर इगोरोव को हराकर अमन क्वार्टरफाइनल में पहुंचे थे।

अपने पदार्पण ओलंपिक अमन भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान है जिसने पेरिस ओलंपिक में देश के लिये कुश्ती में पहला पदक जीता है। 21 वर्षीय अमन पिछले वर्ष एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों में भी कांस्य पदक जीता था।

क्या दक्षिण भारत में नए राजनैतिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक सरकार ने आठ खुमरी हाथी तोहफे में दिए हैं, जिन्हें वे आंध्रप्रदेश ले गए हैं। ये प्रशिक्षित हाथी हैं, जिनका इस्तेमाल जंगली हाथियों को पकड़ने और नियन्त्रित करने के लिए किया जाता है। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण तथा कर्नाटक के पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास, पर्यावरण, वन, विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री ईश्वर बी. खांद्रे के साथ बैंगलुरू में हुई सफल बातचीत के बाद कर्नाटक उन्हें हाथी देने पर सहमत हो गया।

चित्तूर तथा पार्वतीपुरम मण्यम जिलों की बस्तियों में जंगली हाथियों का प्रवेश रोकने के लिए आंध्र सरकार इन हाथियों को लेकर आई है। मंत्रियों ने उन हाथियों के प्रबन्धन पर भी चर्चा की, जो आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की सीमा पर आते-जाते रहते हैं।

जिन सात विषयों पर चर्चा हुई, उनमें लाल चंदन की तस्करी का बड़ा मुद्दा भी शामिल था। इस विषय पर हाल ही में पुष्पा नामक फिल्म बनाई गई थी, जो बेहद लोकप्रिय रही। पवन कल्याण को बताया गया कि कर्नाटक ने आंध्र प्रदेश से तस्करी कर लाया गया 140 करोड़ रुपए मूल्य का लाल चंदन जब्त किया है।

पवन कल्याण ने मीडिया को बताया कि उन्होंने जब्त सम्पत्ति के बारे में एक कानूनी फ्रेमवर्क बनाया जाना स्वीकार किया और दोनों ही सरकारें इस मुद्दे पर चर्चा करेंगी।

दोनों राज्यों ने लाल चंदन की तस्करी तथा जंगल के उत्पादों को लेकर हो रही अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम में सहयोग पर भी चर्चा की। पवन ने बताया कि "हमने जंगल के जीवन को संरक्षित रखने और शिकारियों की समस्या को हल कर करने को लेकर सैटेलाइट्स सहित आधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल पर चर्चा की। अन्य मुद्दों के अलावा ईको-टूरिज्म तथा जंगल सफारी पर भी चर्चा हुई।

अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण ने यह भी बताया कि कर्नाटक सरकार के इस अनुरोध को पूरा करने का भी प्रयास किया जाएगा कि तिरूपति और श्रीशैलम जाने वाले तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए भूमि आवंटन किया जाए तथा उनकी मांग मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू तथा उनके मंत्रिमण्डल तक पहुंचा दी जाएगी। पवन कल्याण ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से भी मुलाकात की।

पवन कल्याण ने संयुक्त प्रैस कांफ्रैंस के दौरान पुष्पा फिल्म पर एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा कि "चालीस साल पहले फिल्मों के हीरो जंगलों के संरक्षक की भूमिका निभाया करते थे, और आज का हीरो एक ऐसे तस्कर की भूमिका निभाता है जो जंगल के पेड़ काटकर धन एकत्रित करता है।" उल्लेखनीय है कि पवन कल्याण के भतीजे अल्लू अर्जुन ने "पुष्पा द राईज" और उसकी अगली कड़ी "पुष्पा द रूल" फिल्मों में लाल चंदन के तस्कर की भूमिका निभाई है।

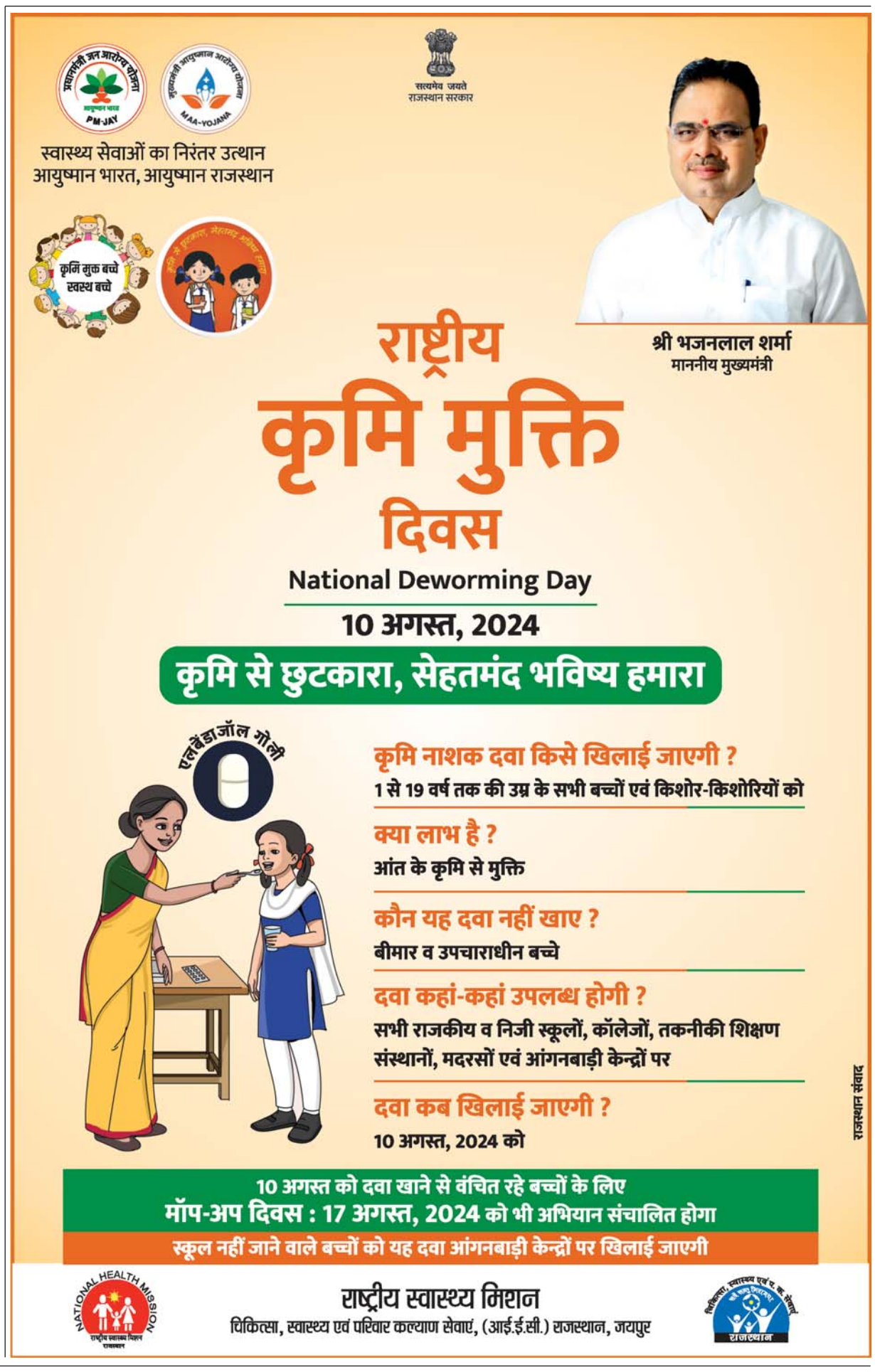

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908